RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र
कानपुर, सोमवार, 19 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 141, पृष्ठः 8+4

अवैध प्रवासियों का 30 दिन में किया जाए वेरिफिकेशन

» Pg12

इनसाइड प्यार में अंधी मां पुत्र के लिए बनी पिशाचनी... » Pg03

एमपी के मंत्री विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, एसआईटी गठित

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, माफी नामंजूर

» **नई दिल्ली, एजेंसी।**

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह को कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए बयान पर फटकार लगाई है। सवोच्च न्यायालय ने कहा कि हम इस मामले में मंत्री की माफी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। कोर्ट ने आगे कहा, आप एक सार्वजनिक चेहरा हैं। एक अनुभवी नेता हैं। आपको बोलने से पहले अपने शब्दों को तोलना चाहिए। हमें आपके वीडियो यहां चलाने चाहिए। यह सेना के लिए एक अहम मुद्दा है। हमें इस मामले में बेहद जिम्मेदार होना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक एसआईटी भी गठित की है। इसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को रखा गया है। इनमें एक महिला अधिकारी भी होंगी। यह तीनों ही अफसर मध्य प्रदेश के बाहर के होंगे।

मंत्री शाह ने दो बार माफी मांगी पर नहीं बनी बात : कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए बयान ने तूल पकड़ा तो मंत्री विजय शाह ने सार्वजनिक रूप से दो बार माफी मांगी। मंत्री ने कहा- उनके दिए बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हों तो वे दिल से क्षमाप्रार्थी हैं। सोफिया कुरैशी ने देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाया है और उनका योगदान जाति, धर्म या समुदाय से परे है। वह उन्हें एक सगी बहन से भी अधिक सम्मान देते हैं। शाह ने कहा कि मेरे वक्तव्य का उद्देश्य सोफिया के योगदान को समाज के सामने सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करना था, लेकिन व्याकुल मन की स्थिति में कुछ शब्द गलत निकल गए, जिससे वह व्यथित और शर्मिंदा हैं। मंत्री के दो बार माफी मांगने के बाद भी यह मामला शांत नहीं हुआ है।

हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक लगा चुकी है फटकार

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला ने स्वतः संज्ञान लिया। सुनवाई के दौरान मंत्री शाह को जमकर फटकार लगाई गई। हाईकोर्ट ने कहा कि मंत्री शाह ने गटरछाप भाषा का इस्तेमाल किया है, जो अस्वीकार्य है। कोर्ट ने डीजीपी को मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। सुनवाई में एफआईआर की कॉपी पेश की गई, जिसे लेकर कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि एफआईआर की भाषा मंत्री के हित में लिखी हैं, यानी उन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

भाजपा ले सकती है विजय शाह पर फैसला

माना जा रहा है कि इस सुनवाई के बाद ही पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व मंत्री शाह के भविष्य को लेकर निर्णय ले सकता है। सूत्रों के अनुसार मंत्री शाह ने पार्टी नेतृत्व से राजनीतिक भविष्य की सुरक्षा की गारंटी मांगी है। शुरुआत से ही शाह इस्तीफा देने से इन्कार कर रहे हैं। शाह का कहना है कि उन्होंने अपने बयान पर खेद व्यक्त कर लिया है और माफी भी मांग ली है। इसके बावजूद कोई इस्तीफा मांग रहा है तो बताएं कि किसके कहने पर इस्तीफा दें और उनका राजनीतिक भविष्य क्या होगा?

विपक्ष हमलावर, इस्तीफे की मांग पर अड़ा

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल विजय शाह को मंत्री पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद विपक्षी दलों ने विरोध को और तेज कर दिया है। कांग्रेस कार्यकताओं ने राजधानी भोपाल में जगह-जगह प्रदर्शन किए। पार्टी विधायकों ने राजभवन जाकर राज्यपाल से मंत्री शाह को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि संवेदनशील मुद्दे पर मंत्री के गैर-जिम्मेदाराना बयान ने न केवल सैन्य बलों का अपमान किया है, बल्कि सामाजिक सद्भाव को भी ठेस पहुंचाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने जमकर लगाई फटकार

बीते गुरुवार को विजय शाह सुप्रीम कोर्ट की शरण पहुंचे और एफआईआर पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन शाह को यहां भी फटकार ही पड़ी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आप संवैधानिक पद हैं, आपको अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। एक मंत्री होकर आप कैसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर कें कंटेंट को लेकर भी फटकारा। सुप्रीम कोर्ट की ओर से एफआईआर में सुधार करने और पुलिस विवेचना की मॉनिटरिंग हाईकोर्ट द्वारा किए जाने के भी आदेश दिए।

बदला रुख

46 सालों बाद सीरिया से हटी पाबंदी बढ़ा रहे नजदीकी

दूसरे कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप के रवैए में कई बदलाव दिख रहे हैं। पहले टर्म में वो सीरिया समेत ज्यादातर मुस्लिम-बहुल देशों के खिलाफ रहे। वहीं इस्लामिक देशों से उनकी नजदीकियां बढ़ रही हैं। हाल में उन्होंने सीरिया पर लगे वे सारे प्रतिबंध हटा दिए, जो 4 दशक से ज्यादा समय से लगे हुए थे। ट्रंप ने हाल ही में सीरिया पर लगे सारे प्रतिबंद खत्म करने का आदेश दे दिया है। ये फैसला चौकाने वाला है क्योंकि अमेरिका पिछले कई सालों से सीरिया पर काफी सख्त रुख अपनाए हुए था।

पाबंदियां हटाईं

सीरिया से यूएस की नाराजगी कई दशक पुरानी है

साल 1979 में उसने इस देश को स्टेट स्पॉन्सर ऑफटैररिज्म का दर्जा दे दिया। इसका मतलब ये है कि दमिश्क का हाथ आतंकवाद फैलाने में है। इस स्टेटस के साथ ही देश पर ढेर की ढेर पाबंदियां लग गईं। इसके तहत अमेरिकी नागरिक या वहां की कंपनियां सीरिया के साथ किसी तरह का व्यापार नहीं कर सकती थीं।

फिर लौट रहा है कोविड.... हांगकांग-सिंगापुर से थाईलैंड तक मचा हड़कंप

चिंता की बात ये है कि यहा पॉजिटिविटी रेट लगातार बढ़ रही है

बूस्टर लिया है, तब भी लेनी पड़ सकती है और वैक्सीन

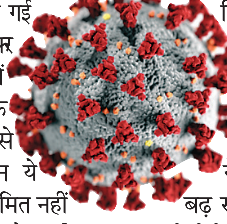

हांगकांग में 10 हफ्तों में कोविड केस 30 गुना बड़े हैं, जबकि सिंगापुर और भाईलैंड में भी तेजी से संक्रमण फैल रहा है। कमजोर इम्यूनिटी बालों को वैवसीन की एक और डोज लेने की सलाह दी गई है। कोविड-19 एक बार फिर सुर्खियों में है। हांगकांग में पिछले 10 हफ्तों में हर वीक कोविड केस 30 गुना से अधिक बढ़ गए हैं, लेकिन ये उछाल सिर्फ हांगकांग तक सीमित नहीं है। सिंगापुर में भी एक हफ्ते में करीब 30 फीसदी केस बढ़े हैं। चीन और थाईलैंड से भी कोविड के बढ़ते मामलों की रिपोट्स सामने आ रही है।

हांगकांग ने 10 मई 2025 को खत्म हुए हफ्ते में कुल 1,042 कोविंड केस रिपोर्ट किए, उससे पिछले हमले ये आंकड़ा 972 था। मार्च की शुरुआत में यहां हफ्ते के सिर्फ 33 केस थे, यानी मार्च से लगातार केस बढ़ते जा रहे है। सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि यहा पॉजिटिविटी रेट लगातार बढ़ रही है। मार्च को खत्म हुए हफ्ते में पॉजिटिविटी रेट सिर्फ 0.31 फीसदी थी। ये 5 अप्रैल तक 5.09 फीसदी हो गई और 10 मई को खत्म हुए हफ्ते में बढ़कर 13.66 फीसदी तक पहुंच गया।

कोविज केस बढ़ने के बाद हांगकांग सरकार ने खासतौर पर जिन्हें पहले से कोई बीमारी है या जिसकी इश्युनिटी कमजोर है, ऐसे हाई रिस्क लोगों को सलाह दी है कि वे पिछली डोज वा संक्रमण के कम से कम 6 महीने बाद एक और कोविड वैक्सीन की डोज जरूर लें। चाहे उन्होंने पहले कितनी भी डोचा

अन्य देशों में भी बढ़ रहे हैं कोविड के केस

सिंगापुर में कोविड केस 27 अप्रैल को खत्म हुए हसे में 11,100 थे, जो 3 मई के हफ्ते में बढ़कर 14,200 हो गए। यानी एक हफ्ते में करीब 30 फीसदी का उछाल। यही नहीं, अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी रोज औसतन 102 से बढ़कर 133 हो गई है। ये आंकड़े सिंगापुर सरकार के हैं। सरकार का कहना है कि ये उछाल कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि लोगों में वैवसीन से बनी इम्युनिटी का धीरे-धीरे कम हो जाना, इस वक्त सिंगापुर में जो कोविड वैरिएंट सबसे अधिक फैल रही हैं, तो हैं (एलएफ.7 और एनबी1.8। दोनों जेएन.1 वैरिएंट की ही अगली पीढ़ी है।

प्रचंड गर्मी का आगाज होने जा रहा...

25 मई से शुरू होगा नौतपा, सूर्य देंगे तीखी तपिश

स्वराज इंडिया

कानपुर। भीषण गर्मी की शुरुआत होने जा रही है इसके लिए आप सभी तैयार हो जाइए। आगामी 25 मई से नौतपा की शुरुआत हो रही है, जो गर्मी के लिहाज से सबसे अधिक तीव्र और तपती हुई अवधि मानी जाती है। इस दिन सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जो कि नौतपा के आरंभ का संकेत है। यह कालखंड 2 जून तक चलेगा।

नौतपा वह समय होता है जब सूर्य सबसे तीव्रता से अपनी किरणें धरती पर बरसाते हैं। खासकर जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तो तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जाती है। यह नौ दिन धरती पर गर्मी का चरम अनुभव कराने वाले माने जाते हैं।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार नौतपा के दौरान लू चलने की संभावना ज्यादा है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। खासतौर पर दोपहर के समय घर से बाहर निकलने में सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

जनता के लिए सलाह

- धूप में बाहर निकलने से बचें
- पानी की भरपूर मात्रा लें
- बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें
- हल्के और सूती कपड़े पहनें

नौतपा का असर मानसून पर भी पड़ता है। अगर इन दिनों अधिक गर्मी पड़ती है, तो अच्छे मानसून की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस बार अच्छी बारिश हो सकती है।

ग्रीष्मावकाश में भी चलेगी ICT की पाठशाला

छात्र-छात्राओं को तकनीकी दक्ष बना रही 'ग्रीष्मकालीन डिजिटल लिटरेसी ई-होमवर्क शीट

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के छात्र-छात्राओं के लिए अब गर्मी की छुट्टियों में भी तकनीकी शिक्षा की राह खुल गई है। जनपद कानपुर के स्टेट आईसीटी अवॉर्डी शिक्षक एवं आईसीटी की पाठशाला के संस्थापक इंजीनियर शेखर यादव द्वारा एक अभिनव पहल के अंतर्गत कंप्यूटर पाठ्यक्रम पर आधारित ग्रीष्मकालीन डिजिटल लिटरेसी बाल ई-होमवर्क शीट तैयार की गई है।

शेखर ने बताया कि अब तक बच्चों को हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित व अन्य विषयों की ग्रीष्मकालीन गृहकार्य शीट तो मिलती थीं, लेकिन कंप्यूटर विषय के लिए कोई शीट उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जब डिजिटल लिटरेसी पाठ्यक्रम को जूनियर विद्यालयों में शामिल किया गया, तो यह विचार आया कि बच्चों को 20 मई से 14 जून तक के ग्रीष्मकालीन अवकाश में डिजिटल शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जाए इसी उद्देश्य से इस विशेष ई-होमवर्क शीट की रचना की गई, जिसे आईसीटी की पाठशाला मंच के माध्यम से प्रदेशभर के शिक्षकों व छात्रों तक

साझा किया गया है। यह प्रयास न केवल बच्चों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाएगा, बल्कि उन्हें डिजिटल युग के लिए भी तैयार करेगा।

प्यार में अंधी मां पुत्र के लिए बनी पिशाचनी

प्रेमी के साथ रहने की ज़िद में पुत्र की ली जान, दांतों से चबाया मासूम का चेहरा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नरवल थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव में एक मां ने ममता को तार-तार करते हुए इंसानियत को शर्मसार कर दिया। मनीषा नाम की इस महिला ने अपने साढ़े तीन साल के बेटे अनुरुद्ध की बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम उस समय दिया गया जब घर में बाकी सभी लोग ऊपर या बाहर थे। पहले उसने बेटे के गले में बंधे ताबीज के धागे को ही उसकी जान लेने का हथियार बना लिया। गला कसने के बाद भी जब मासूम की सांसें चलती रहीं तो मनीषा ने अपने ही हाथों से उसका गला और कस दिया। यह सब करते वक्त उसके मन में कोई मां जैसी ममता नहीं थी, बल्कि एक वहशीपन था। इतना ही नहीं, उसने बेटे के मासूम चेहरे को दांतों से नोच-नोचकर घायल कर दिया। शव को उसने चुपचाप घर की छत पर ले जाकर बाबा के पास लिटा दिया और ऊपर से चादर ओढ़ा दी, मानो कुछ हुआ ही नहीं। इसके बाद नीचे आकर वह रसोई में खाना बनाने लगी, जैसे कोई आम दिन हो।

प्रेमी के लिए छोड़ा घर, बेटे को बताया रास्ते का रोड़ा

मनीषा कुछ समय पहले गांव के ही एक युवक के साथ भाग गई थी। उसका पति सुशील यादव, जो एक किसान और प्राइवेट नौकरी करता है, उस दौरान बेहद टूट गया था। पूरे गांव और परिजनों ने मनीषा को समझा-बुझाकर, बेटे की दुहाई देकर तीन दिन पहले ही घर वापस लाया था। लेकिन घर लौटने के बावजूद उसका प्रेमी के प्रति आकर्षण खत्म नहीं हुआ। मनीषा हर दिन प्रेमी के साथ रहने की जिद करती थी और इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच तनाव और झगड़े बढ़ते जा रहे थे। सुशील का कहना है कि मनीषा को लगता था कि अनुरुद्ध उसके प्रेम संबंधों में बाधा बन रहा है। वह अपने प्रेम के रास्ते से हर रुकावट को हटाना चाहती थी — चाहे वो उसका अपना खून ही क्यों न हो। बेटे को सोता बताकर छत पर भेज दिया और जब पति दूध लेकर लौटा तो उससे कोल्ड ड्रिंक लाने को कहा, ताकि कोई शक न हो। इस दौरान उसने अपना भयावह प्लान अंजाम दे दिया।

पहले भी दो बच्चों की रहस्यमयी मौत, अब हर मौत पर उठे सवाल

अनुरुद्ध मनीषा और सुशील की तीसरी संतान थी। गांव वालों ने बताया कि डेढ़ साल पहले उनकी एक बेटी लक्ष्मी और एक वर्षीय बेटा अनुराग की भी रहस्यमयी हालातों में मौत हो चुकी थी। दोनों ही मामलों में परिवार ने पुलिस को बिना सूचना दिए जल्दीबाज़ी में अंतिम संस्कार कर दिया था। तब भी मनीषा के व्यवहार को लेकर संदेह जताया गया था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब तीसरे बच्चे की हत्या के बाद ग्रामीणों और परिजनों को लगने लगा है कि उन दोनों मौतों के पीछे भी मनीषा ही जिम्मेदार हो सकती है। सुशील ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नर्वल पुलिस ने मनीषा के प्रेमी से पैसे लेकर सुलह करवा दी थी और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। अगर पहले ही कार्रवाई होती, तो शायद आज अनुरुद्ध जिंदा होता। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है और आरोपी महिला से सख्ती से पूछताछ की जा रही है। यह घटना सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि मां-बेटे के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला त्रासद उदाहरण बन चुकी है।

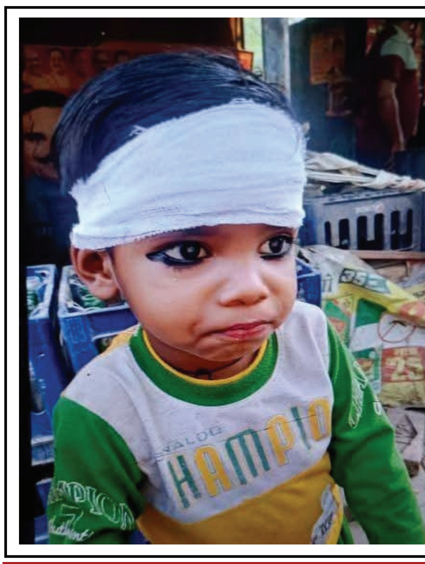

फाइल फोटो

चिड़ियाघर आसपास 1 किमी रेड जोन घोषित

» मुर्गी फार्मों के सैंपल लिए

» जिलाधिकारी ने चिड़ियाघर निदेशक, पशु चिकित्सकों के साथ बैठक की, बब्बर शेर, मोर, बतख की मौत होने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। चिड़ियाघर में बब्बर शेर, मोर और पतख की मौत के बाद चिड़ियाघर और उसके आसपास 1 किमी के दायरे में रेड अलर्ट जारी करने के साथ ही पूरे शहर में भी रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। कई मुर्गी फार्म हाउस से भी सेंपल लेकर लैब में भेजे गये हैं और जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक करके मामले की समीक्षा की और दिशा निर्देश जारी किए।

रविवार को जिलाधिकारी ने सरैसया घाट स्थित नवीन सभागार में बर्ड फ्लू से निपटने के लिए बैठक की जिसमें कानपुर प्राणि उद्यान की निदेशक श्रद्धा यादव, कई पशु चिकित्सक व सभी विभाग के जिम्मेदार शामिल हुए। कानपुर प्राणि उद्यान की निदेशक श्रद्धा यादव ने जिलाधिकारी को बताया कि पशु-पक्षियों का नियमित परीक्षण कराया जा रहा है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बर्ड फ्लू से बचने के लिए सावधानियों पर विचार रखे।

बताते चलें कि बीते दिनों गोरखपुर चिड़ियाघर से बब्बर शेर पटौदी को इलाज के लिए कानपुर चिड़ियाघर लाया गया था लेकिन पशु चिकित्सक उसे बचा नहीं सके और उसकी मौत हो गई। बब्बर शेर के कुल 13 सेंपल लेकर जांच के लिए भोपाल भेजा गया था, जहां से शेर की रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। अब कानपुर चिड़ियाघर 19 मई तक बंद कर दिया गया है। कानपुर ज़ू में बाघिन कई पशु पक्षियों की तबियत भी सुस्त बताई जा रही है लेकिन चिड़ियाघर प्रशासन का कहना है कि गर्मी के कारण पशु-पक्षी सुस्त हैं, ऐसी कोई बात नहीं है।

दो दर्जन से अधिक कर्मियों के सैंपल लिए

कानपुर चिड़ियाघर के 25 से अधिक कर्मियों के सेंपल लेकर लैब में भेजे गये हैं जिसकी रिपोर्ट मंगलवार को आएगी। इसके अतिरिक्त सभी प्रजाति के पशु, पक्षियों के भी सेंपल लिये गये हैं। चिड़ियाघर में नियमित फांगिंग की जा रही है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने ये टिप्स दिए

नवंबर से मार्च तक पक्षियों पर विशेष सतर्कता बरतें, बीमार पक्षियों को स्वस्थ पक्षियों से अलग रखें, बर्ड फ्लू की संभावना होने पर मृत पक्षी को कोल्ड चैन में एनआईएचएसडी आनंद नगर भोपाल भेजा जाए, मृत एवं संक्रमित पक्षियों को गहरे गड्ढे में ढकने के साथ ही ऊपर से चूना भी डाल दें।

गोलमाल है सब...

मुआवजे के बदले घूसकांड की खनक लखनऊ तक

केडीए अफसरों के गले की हड्डी बना मुआवजा घूसकांड

» चेक के जरिए 12 लाख रुपए घूस का मामले में फंसे कई अधिकारी

न्यू कानपुर सिटी योजना में लॉन्चिंग से पहले बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया

प्रमुख संवाददता स्वराज इंडिया

कानपुर। न्यू कानपुर सिटी योजना में मुआवजे के बदले में घूसकांड का मामला केडीए अफसरों की गले की हड्डी बन गया है। जांच चल रही है, जांच के दायरे में कई केडीए अफसर भी फंसते नजर आ रहे हैं। हालांकि वीसी मदन सिंह गर्ब्याल मामले में कड़ी नजर बनाए हुए हैं। उनका कहना है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जांच अमीन तक सीमित नहीं है, सभी की भूमिका पर नजर है।

केडीए की न्यू कानपुर सिटी योजना में अबतक 2 सौ करोड़ 38 लाख रुपए मुआवजा वितरित किया गया है। इसमें धनराशि वितरण में बड़ी धांधली उजागर होने के बाद सवाल पर सवाल उठ रहे हैं।

स्वराज इंडिया कानपुर सिटी 17 मई, 2025 03

मुआवजे में कमीशन के खेल का होगा पर्दाफाश, अमीन जाएगा जेल !

» सचिव ने कहा कि अमीन को आरोप पत्र दिया है, जल्द ही मुकदमा दर्ज कराया जाएगा

» न्यू कानपुर सिटी परियोजना में मुआवजे में भ्रष्टाचार में केडीए के कई अफसर लपेटे में

» ज़मीन अधिग्रहण में बांटे गए अरबों के मुआवजा में लिया जा रहा था मोटा कमीशन

FOLLOW UP

मुआवजे में कमीशन के खेल का असली मास्टरमाइंड कौन ?

2 अरब 38 लाख रुपए का बांटा गया है मुआवजा

स्वराज इंडिया कानपुर सिटी

मुआवजे में कमीशन के खेल का असली मास्टरमाइंड कौन ?

कानपुर विकास प्राधिकरण

जब तक घूस नहीं मिली तब तक रोके रहे मुआवजा

2 अरब 38 लाख रुपए का बांटा गया है मुआवजा

बिठूर के गंगपुर चकबदा निवासी किसान मनोज राठौर से जमीन अधिग्रहण के बदले में 12 लाख रुपये की घूस ली गई।

बकायदा चेक के जरिए बैंक खाते में ली गई। भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा देखिए घूस लेने के बाद भी टीडीएस के बदले में फिर से 12 लाख रुपये मांगे गए। इसकी शिकायत से हुई तो

केडीए वीसी के आदेश पर अब मामले की जांच केडीए सचिव अभय पाण्डेय और फाइनेंस कंट्रोलर ने करनी शुरू कर दी है लेकिन प्रकरण काफी गंभीर है। इसमें कई और अधिकारी भी लपेटे में हैं। वही बताया गया कि निलंबित अमीन संतोष कुमार पूर्व केडीए वीसी किंजल सिंह के समय में भी गलत रिपोर्ट लगाने में फंस चुका है। हालांकि केडीए में कर्मियों की कमी का फायदा उठा कर फिर से बड़े कार्य देखना शुरू कर दिया। ऐसे ही कई और कर्मचारी हैं जिनकी जांच की जाएगी तो आय से अधिक संपत्तियों का खुलासा होगा।

शोभन सरकार की पंचमी पुण्यतिथि मनाई

कानपुर। परमपूज्य श्री भगवन शोभन सरकार की पंचमी पुण्यतिथि पर सादर नमन, भावभीनी श्रद्धांजलि। आप अदृश्य रूप में सदैव हम लोगो के ह्रदय में बास कर रहे है। आपकी कृपा सदा हमारे ऊपर है।आप हमारी शक्ति हैं, सम्बल हैं और दिशा निदेशक हैं। इस दौरान राघव दुबे,निसीद दुबे, आशीष दुबे, राहुल दुबे, रमेश मिश्रा आदि रहे।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में 50 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कानपुर विद्या मंदिर स्पोर्ट्स एकेडमी में एक दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित

स्वराज इंडिया संवाददता

कानपुर। कानपुर विद्या मंदिर स्पोर्ट्स एकेडमी में एक दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता खेली गई। जिसमें 50 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बैडमिंटन खिलाड़ियों को बढ़ावा देना है। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि डॉ – डी सीगुप्ता (चेयरमैन कानपुर विद्या मंदिर स्पोर्ट्स एकेडमी) खिलाड़ियों को परिचय प्राप्त कर व पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। वहीं खिलाड़ियों के चेहरे पुरस्कार प्राप्त करके खिल उठे वही इसकी जानकारी कोच अनुज कुमार गौतम ने दी। इस मौक़े पर उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन सीनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन – सुशील गुप्ता, रघुवंश गुप्ता,संजय प्रजापति,मोहम्मद आसिफ़ , डॉ शिव कुमार चौहान ,योगेश बिष्ट ,कनक मिश्रा,विनय महलोत्रा,गौरव सोनकर, आयुष मिश्रा, अथर्व धीमान आदि मौजूद रहे। वहीं, मोहम्मद यूसुफ़ व अदिति मिश्रा ने देव्यांशु व रशिका अग्रवाल को एक रोमांचक खेलते हुए 30–29 से हराकर जीत दर्ज ।

परिणाम

बालक एकल 11

सेमीफ़ाइनल

विहान सिंह ने रेयान जैन को 30- 18 हराकर फ़ाइनल मे जगह बनाई

फ़ाइनल -

विहान सिंह ने मानस शुक्ला को 30-10 सेहराकर जीत दर्ज की!

बालक एकल 13

फ़ाइनल -मुशीर ने देव सुनील को 30-14 से हराकर जीत दर्ज की!

बालिका एकल 11

आन्या महलोत्रा ने कनिशा जैन को हराकर जीत दर्ज की!

बालिका एकल 13

अनिका शर्मा ने अस्मिता सिंह को 30-18 हराकर जीत दर्ज की!

मिश्रित युगल - सीनियर

सम्पादकीय

कोर्ट ने कहा, पैदल रास्ता संवैधानिक अधिकार

सड़क पर तेज रफ्तार दौड़ती कारों और अतिक्रमण की भेंट चढ़े फुटपाथों पर पैदल यात्रियों का चलना अब दुश्वार हो चला है। यही वजह है कि बुजुर्ग लोग सड़कों पर आने से डरते हैं और घरों तक सिमटकर रह जाते हैं। वे फुटपाथ न होने के कारण सड़कों पर चलते हैं और अनियंत्रित गति वाले वाहनों के शिकार हो जाते हैं। अदालत में दिए गए एक आंकड़े के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले करीब बीस फीसदी लोग पैदल यात्री होते हैं। इन हालात में दिव्यांग लोग कैसे सड़कों पर निकल सकते हैं, ये कल्पना से परे है। दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि फुटपाथ की सुविधा लोगों का संवैधानिक अधिकार है। पीठ ने केंद्र व राज्यों को कहा कि दो महीने में सुनिश्चत करें शहरों व गांवों में पैदल चलने वालों के लिये साफ, अतिक्रमण मुक्त और दिव्यांगों के अनुकूल फुटपाथ उपलब्ध हों। सभी सार्वजनिक सड़कों पर उपयुक्त फुटपाथ बनाना और उनसे अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से कहा कि वे बताएं पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उसके पास क्या नीति है। कोर्ट ने दो महीने में रिपोर्ट देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने मुंबई हाईकोर्ट की ओर से पहले से जारी दिशा-निर्देशों को आदर्श मानते हुए अन्य राज्यों से इसे अपनाने को कहा।

दरअसल, कोर्ट भी इस बात से सहमत दिखा कि जब फुटपाथ नहीं होते तो गरीब, बुजुर्ग,बच्चे और दिव्यांगजन मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। वे भीड़भाड़ में हादसों का शिकार हो जाते हैं। अदालत ने कहा कि यह केवल यातायात का मुद्दा नहीं है,यह जीवन का अधिकार है। ये उन करोड़ों भारतीयों के लिए एक उम्मीद है जो जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलते हैं। अब हर कदम पर सुरक्षित और जीवन की अहमियत होनी चाहिए। निस्संदेह, देश में फुटपाथों की दुर्दशा, अतिक्रमण और दिव्यांगों की लाचारी किसी से छिपी नहीं है। अकेले वर्ष 2022 में 77 हजार पैदल यात्रियों के साथ हुई दुर्घटना में करीब 32,797 की मृत्यु हुई और 34 हजार गंभीर रूप से घायल हुए।

निस्संदेह, कोर्ट ने पैदल चलने वाली करोड़ों की मूक बिरादरी को संवैधानिक आवाज देने देने की सार्थक पहल की है। विडंबना यह है रेहड़ी-पटरी वालों, दुकानदारों व गाड़ी वालों ने कब्जा कर रखा है। इस वर्ष हर माह करीब 48 पदयात्री सड़क दुर्घटना में मारे गए। यही वजह है कोर्ट ने फुटपाथ को संवैधानिक अधिकार बताते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा बताया।

शत्रुता-मित्रता का आधार है स्थाई हित

ज्योति मल्होत्रा

भारत-पाक टकराव रोकने में मध्यस्थता के अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के साथ हाल की कई घटनाएं सबक देने वाली हैं। पहला ,राजनीति में दोस्ती नहीं, हित स्थाई होते हैं। वहीं शासक समर्थ है तो नीतिगत फैसलों पर सवाल नहीं उठते। ट्रंप अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की दिशा बदल रहे हैं। इसी तरह विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफ़गान समकक्ष मुत्ताकी से फ़ोन पर बात की। तालिबान कैसे साधा, यह गाथा दिलचस्प है।कुछेक दिन पहले हुए भारत-पाकिस्तान टकराव में अमेरिका द्वारा मध्यस्थता के दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय की औरं से छह बिंदुओं वाला खंडन पत्र जारी करने के कुछ घंटों बाद ही,डोनाल्ड ट्रम्प ने छठवीं बार जोर देकर कहा कि बीच-बचाव उन्होंने ही करवाया है : 'औऱ वैसे तो मैं बताना नहीं चाहता था कि मध्यस्थता मैंने की है, लेकिन पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में निश्चित रूप से मैंने मदद की है, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी'।

उक्त कथन ट्रम्प ने गुरुवार को कतर स्थित अमेरिका के अल-उदीद एयरबेस पर सैनिकों को संबोधित करते व्यक्त किया, जो उनके खाड़ी दौरे का अंतिम पड़ाव था। आखिर में यह भी कह गए :'मैं आपको बता रहा हूं,मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने परमाणु युद्ध को टाला' ।अब या तो आप अविश्वास में अपनी आंखें गोल-गोल घुमाएं या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की बातों पर यकीन कर लें,जिसका मतलब बकौल उनके यह है कि उन हालात में एक शक्तिशाली तीसरे पक्ष की आवश्यकता थी - अर्थात वे स्वयं- जिसका प्रभाव भारत और पाकिस्तान, दोनों पर हो, ताकि वहां के लोगों को एक-दूसरे पर फिर से हमला करने और उनके बीच '1,000 साल से चले आ रहे युद्ध' को जारी रखने से रोका जा सके।लेकिन कहानी में तीन और सबक हैं। पहले का संकेत तब मिला, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीते गुरुवार शाम अफ़गानिस्तान में अपने समकक्ष यानि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुताकी से फ़ोन पर बात की। कोई नहीं जानता कि किसने किसको फ़ोन किया, लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह ज़रूर बताया कि जयशंकर ने पहलगाम नरसंहार को लेकर मुताकी द्वारा की गई निंदा की सराहना की है।पहली (अंतिम तीन में से) सीख यह नहीं कि जयशंकर और मुताकी ने वास्तव में एक-दूसरे से बात की- यहां गौरतलब है दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के एक नेता ने एक ऐसे व्यक्ति से बात की जिसकी सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता तक नहीं, वह तो केवल एक शासन का प्रतिनिधि है - या फिर उन्होंने जानबूझकर यह खुले तौर पर किया। यहां सबक यह कि भारत ने इस बात की कोई परवाह नहीं की कि उसी तालिबान से बात करने के लिए आलोचना की जाएगी या नहीं, जिसने 15 अगस्त, 2021 को दूसरी बार सत्ता में आने से पहले, और उसके बाद से, हरेक नियम का सब तरह से उल्लंघन किया। सच तो यह कि जयशंकर ने तो इस मामले में ट्रंप का ही अनुसरण किया। वो यह कि अगर आपके अंदर सत्ता में टिके रहने की क्षमता है, तो आपके अपने विचारों में बदलावों के साथ-साथ देश की स्थापित नीतियों की दिशा बदलने की आपकी मूर्खता को भी माफ़ कर दिया जाएगा।जरा ट्रंप को देखें। वह अपने देश के कट्टर दुश्मन व्लादिमीर पुतिन के साथ अच्छा व्यवहार कर रहे हैं; बीते हफ़्ते की शुरुआत में उन्होंने रियाद में अल-कायदा के सबसे नए सहयोगी से हाथ मिलाया, जिसका शासन इन दिनों सीरिया पर है; और कट्टरपंथी इस्लामवादी मुस्लिम ब्रदरहुड समूह के गढ़ कतर में,उन्होंने सभी संकेतों को नज़रअंदाज़ कर दिया क्योंकि अल-थानी के शेखों ने उनकी भव्य अगवानी की, इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए उपहार में दिया 400 मिलियन डॉलर का विमान भी शामिल है।यहां तक कि जब कतर के व्यापारियों को संबोधित करते हुए अपना यह ऐतराज जताया कि एप्पल के सीईओ टिम कुक भारत में आईफोन बनाने जा रहे हैं ('मैंने उनसे कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ बहुत अच्छा व्यवहार कर रहा हूं लेकिन अब सुना है कि आप भारत में आईफ़ोन बनाने ज रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप भारत में उत्पादन करेंं'), तो भारत ने इस पर प्रतिक्रिया न देकर सरासर नज़रअंदाज़ किया।

हार को शिक्षक मान जीत की संभावना तलाशें

सीखने का अवसर

डॉ. मधुसूदन शर्मा

हमारा समाज सदैव सफलता को ही महिमामंडित करता है। वास्तव में असफलता ही सफलता की पहली पीढ़ी है। उसे एक सबक के रूप में लेकर हमें सफलता की राह चुननी चाहिए। सही मायनों में सफलता-असफलता एक सिक्के के दो पहलू ही हैं।

जीवन एक यात्रा है-कभी सहज, तो कभी जटिल। जीवन यात्रा में जितनी सफलता की ऊंचाइयां है, उतनी ही हार की गहराइयां भी है। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में हार का सामना करता है तो उसका सबसे पहला स्वाभाविक भाव निराशा होता है। अपनी पराजय के लिए या तो हम हम स्वयं को दोष देने लगते हैं या फिर परिस्थितियों को कोसते हैं।

लेकिन यदि हम थोड़ा धैर्य रखें तो पायेंगे कि हार केवल एक रुकावट नहीं बल्कि कुछ सीखने का अवसर है। यह हमारे दृष्टिकोण, योजनाओं तथा आत्ममूल्यांकन को गहराई से देखने का समय होता है।

हमारे समाज में हार को नकारात्मकता से देखा जाता है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि सिर्फ 'जीतना ही महत्वपूर्ण है।' समाज में कभी भी हार की स्वीकार्यता नहीं रही। जबकि सच्चाई यह है कि पराजय आत्मदृष्टि का अवसर प्रदान करती है। वह संकेत देती है कि कहीं कुछ अधूरा रह गया है-संभवतः हमारी तैयारी में,दृष्टिकोण में या आत्मविश्वास की दृढ़ता में। जब हम हार को एक शिक्षक के रूप में स्वीकार करते हैं, तब हम उसके अंदर निहित सफलता की संभावनाओं की तलाश कर पाते हैं।

इतिहास साक्षी है कि सफलता की नींव अक्सर असफलताओं की ईंटों से

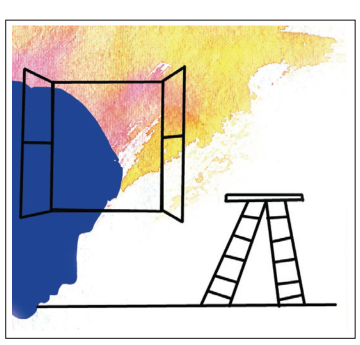

रखी जाती है। अब्राहम लिंकन ने कई चुनाव हारे। व्यापार में असफल रहे। लेकिन अंततः वह अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रपति बने। हैरी पॉटर की लेखिका जे.के. रोलिंग को तमाम प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया था। पर उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने आत्मविश्वास को बना प्रयत्न जारी रखा। अंततः एक छोटे से प्रकाशक ब्लूम्सबरी ने उनकी पांडुलिपि को स्वीकृति दे दी और वह इतिहास बन गया। वह कहती थीं, यदि आपका विश्वास अडिग है तो अस्वीकृतियां केवल सीढ़ियां है सफलता की ओर।अगर हम सफल होना चाहते हैं तो असफलता की चेतना को आश्रय न दें। असफलता तब ही स्थाई बनती है,जब हम उसे भीतर बसा लेते हैं। एक असफल प्रयास को यदि हम आत्म छवि में बदल लें, तो वह हमे भीतर से खोखला कर देती है। लेकिन यदि हम उसे केवल एक अनुभव मानें, एक पाठ की तरह ग्रहण करें तो वह हमें मजबूत बनाता है। चेतना की दिशा ही हमारे जीवन की दिशा तय करती है। इसलिए मन में यह दृढ़ विश्वास होना चाहिये कि आप असफल नहीं हैं।परमहंस योगानंद जी का एक प्रेरणादायक कथन है- 'असफलता का समय ही सफलता के बीज बोने के लिए सर्वोत्तम समय है।' यह कथन जीवन के गहरे सत्य को उजागर करता है। जीवन के सबसे कठिन क्षणों में हमारा अंतर्मन सबसे अधिक उपजाऊ भूमि होती है। इस समय आत्मविश्वास, धैर्य और विवेक के बीज बोए जा सकते हैं। ये बीज एक दिन सफलता के वटवृक्ष बनते हैं। हमारी संस्कृति और अध्यात्म भी हमें सिखाते हैं कि असफलता कोई स्थाई स्थिति नहीं होती, बल्कि वह आत्मविश्लेषण, आत्मसुधार और आत्मोत्थान का एक अवसर होती है। श्रीराम का वनवास एक हार नहीं, बल्कि दिव्य जीवन के नए अध्याय की शुरुआत थी। महाभारत के कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन का मोह युद्ध से पहले ही पराजय लगता है पर वह विचार गीता के ज्ञान का द्वार बन गया।ये सभी उदाहरण बताते हैं कि असफलताओं के पीछे असीम सफलताओं की संभावना छिपी होती है। यहां परमहंस योगानंद जी का यह कथन मार्गदर्शक बनता है, 'जब असहनीय चुनौतियों का पहाड़ आप पर टूट पड़े, तब साहस और सूझबूझ न खोएं। अपनी अन्तर्ज्ञानजनित सहज बुद्धि तथा ईश्वर में आस्था को सक्रिय रखिए, उस संकट से बच निकलने का कोई न कोई रास्ता खोजने का प्रयास कीजिए।

साहब! मोटी रकम लेकर पुलिस ने अभियुक्तों को छोड़ दिया

» डीएम के समाधान मे पहुंची पीड़िता ने ककवन पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

» डीएम ने पीड़िता की फरियाद सुन गिरफ्तारी के निर्देश दिए

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। साहब!मोटी रकम लेकर पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तारी के बाद तीन चार दिन हिरासत में ककवन थाने में रखा और बगैर किसी कार्रवाई के छोड़ दिया है। जिसके कारण अभियुक्तों के हौसले बुलंद हो गए हैं। वह खुलेआम डरा धमका रहे हैं। और मुकदमा वापस लेने का भी दबाव बना रहे हैं। ऐसे कई आरोप लगाकर पीड़िता ने डीएम के समाधान दिवस में अपनी बात रखी। वहीं डीएम ने पीड़िता की इत्मीनान से फरियाद सुन गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। जिससे पीड़िता को न्याय मिलने की आस जाग उठी है।

ककवन थाना क्षेत्र के कसिगवां की रहने वाली अर्चना ने दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि गत 28 अप्रैल को मक्का तोड़ने को लेकर पति विजय से पड़ोस के राजपाल, रामकृपाल, सौरभ व शशिकांत का विवाद हो गया। उन्होंने बच्चा न होने पर तंज कस नपुंसक ठहराते हुए सार्वजनिक रुसवा किया और जातिसूचक गालियां देकर बुरी तरह पिटाई की। किसी तरह बचे विजय पर आरोपियों ने नजर गढ़ाए रखी। आरोप है कि विजय के नदी पर जाते ही आरोपियों ने गला घोंट कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया और शव को पेड़ पर फंदे से लटकाकर आत्महत्या की तरफ मामला मोड़ दिया। पुलिस ने आत्महत्या को उकसाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की।

आरोप है कि मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी में ढीला रवैया बरता गया। इस पर कई बार शिकवा-शिकायत हुई। हालांकि बात न बनते देख गत 3 मई को पीड़िता ने एसीपी अमरनाथ यादव से गुहार लगाई। जिससे हरकत में आई पुलिस ने आरोपियों को उठाया, लेकिन ठोस कार्रवाई के बगैर मोटी रकम लेकर छोड़ दिया गया। पीड़िता ने यह आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक पुलिस की पकड़ से बचते आरोपी मामले की कार्रवाई प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं।

वे दबाव बनाने की नीयत से पीड़िता समेत गवाहों को धमका रहे हैं। शनिवार को समाधान दिवस में पीड़िता की फरियाद सुन डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने आरोपियों को गिरफ्तार करने संबंधी कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं । इससे पीड़िता को इंसाफ की आस जागी है। मामले में ककवन थानाध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया कि विवेचक दरोगा प्रेमचंद्र छुट्टी पर हैं, एक दो दिन मे आ जायेंगे। जाँच चल रही है। प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला है। आरोप लगाने से कुछ नहीं होता है। जांच में सारी हकीकत सामने आ जाएगी।

बिना मान्यता के ही संचालित हो रहा है बिल्हौर में डीपीएस स्कूल

बच्चों का वैन में धक्का लगाते वीडियो वायरल होने के बाद से चर्चा में आया मामला
बीईओ बिल्हौर ने स्कूल प्रशासन को जारी किया नोटिस

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। बच्चों का वैन में धक्का लगाते वीडियो वायरल होने के बाद से चर्चा में आया बिल्हौर का डीपीएस स्कूल बिना मान्यता के संचालित हो रहा है। यह जानकारी तब हुई ज़ब बिल्हौर बीईओ रवि कुमार सिंह ने स्कूल प्रशासन को नोटिस जारी की। नोटिस जारी कर अमान्य कक्षाओं का संचालक तत्काल बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह ने बगैर मान्यता के संचालित अन्य स्कूलों को भी नोटिस जारी की है।

दरअसल कुछ दिन पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

उस वायरल वीडियो में ककवन रोड़ के पास चलते-चलते खराब हुई डीपीएस स्कूल बिल्हौर की वैन को स्कूल के दो बच्चे धक्का लगा रहे थे।धक्का दे रहे वैन को चालक स्टार्ट करने की कोशिश कर रहा था।

इसके बाद मीडिया की सुर्खियों में आया डीपीएस स्कूल बिल्हौर खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह की नजरों में चढ़ गया। रवि कुमार ने बगैर मान्यता के चल रहे डीपीएस स्कूल समेत कई स्कूलों को नोटिस जारी कर बंद करने के निर्देश दिए हैं। अब देखना यह है कि ऊंचे रसूख वाले यह स्कूल संचालक क्या करते हैं।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर,शुक्रवार 16 मई, 2025 02

डीपीएस स्कूल बिल्हौर की वैन में धक्के लगाने को मजबूर बच्चे

» साहब! ये तो लापरवाही की हद है

» नामी गिरामी स्कूल में चल रहे खटारा वाहन

» चिलचिलाती धूप में वैन में धक्का लगाकर घर पहुँचे बच्चे

» एक दुकानदार ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। कस्बे के एक नामी स्कूल की छुट्टी होने पर स्कूली गाड़ी से घर जा रहे बच्चों को चिलचिलाती धूप में जीटी रोड पर बंद हुई गाड़ी में धक्का लगाकर घर जाना पड़ा। जिसका वीडियो एक दुकानदार ने बनाकर वायरल कर दिया। पंद्रह सेकेण्ड के इस वायरल वीडियो में बंद स्कूली वैन में दो स्कूली बच्चे धक्का लगा रहे है

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो की आपका अपना स्वराज इंडिया अखबार पुष्टि नहीं करता है। स्वराज इंडिया ने वायरल वीडियो की पड़ताल की तो पता चला वह वैन कस्बे के डीपीएस स्कूल की ईको वैन है । वह अचानक ककवन रोड़ तिराहे के आसपास बंद हो जाती है। वैन खराब होने के बाद बच्चों के द्वारा इसमे काफी दूर तक धक्का लगाया जाता है। ऐसे में बच्चों की जान पर मुसीबत आ सकती थी। कहीं धक्का देते समय अचानक चालक स्पीड लेकर स्टार्ट करता और गाड़ी आगे बढ़ती तो धक्का लगा रहे बच्चे तो गिर जाते और किसी हादसे का शिकार भी हो जाते। इससे स्कूल के प्रबंधतंत्र को क्या फर्क पड़ता । वह तो स्कूल की हर चीज सुविधाओं से लैस,अच्छी सुविधाएं देने का दावा करते है।

डीपीएस यानि नाम बड़े दर्शन छोटे

बिल्हौर। नाम बड़े दर्शन छोटे वाली कहावत हाल ही में बिल्हौर में खुले डीपीएस स्कूल पर बिल्कुल सटीक बैठ रही है।

बीच सड़क पर वैन बंद होने पर धक्के लगाते स्कूली बच्चे

गौरतलब है कि डीपीएस स्कूल इसी सत्र से इंडस इंजीनियरिंग कॉलेज कैंपस में शुरू किया गया है। जानकारों की मानें तो किसी भी स्कूल को शुरुआती चरण में मान्यता हासिल करने के लिए कुछ मानक पूरे करने पड़ते है। यह मानक आनन फानन पूरे कर पाना संभव नहीं होता है। ऐसे में इस स्कूल ने यह मानक पूरे कर लिए होंगे यह कहना भी अतिशयोक्ति ही होगा। लेकिन संस्था ने बड़े नाम का फायदा उठाकर लंबे चौड़े दावे करके तमाम एडमिशन कर भी कर लिए हैं। लेकिन जिस तरह से स्कूल खटारा वाहनों का प्रयोग करके बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा है। उससे संस्था की विश्वसनीयता पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं।

DELHI PUBLIC SCHOOL BILHAUR

हजारों लोगों की जेब ढीली करवा चुका है डीपीएस बिल्हौर

बिल्हौर। दूसरे अच्छे स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों को अपने नाम के झांसे में लेकर सैकड़ों बच्चों का प्रवेश के चुका डीपीएस अब संकट में पड़ गया है। वहीं बच्चों के अभिवावकों को भी यह समझ में नहीं आ रहा है कि वह आखिर अब कहां जाएं और क्या करें। मालूम हो एडमिशन के समय तमाम सारे अतिथियों को भव्य कार्यक्रम में बुलाकर प्रबंधन ने खुद को ठीकठाक साबित के दिया था। लेकिन कुछ महीने बीतते ही हकीकत सामने आ जाने पर बच्चों के अभिभावक परेशान हैं। प्रबंधन से साफ कह दिया गया है कि वह बिना मान्यता स्कूल नहीं चला सकते हैं। जिन बच्चों का एडमिशन लिया है उन्हें दूसरे स्कूलों में समायोजित करें। बच्चों के भविष्य का ध्यान रखें।

सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस में फटा सिलेंडर, धमाके से अफरा-तफरी

» प्रयागराज के मनौरी स्टेशन के पास फायर सेफ्टी सिलेंडर अचानक फट गया

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस में अचानक सिलेंडर फटने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सिलेंडर के जोरदार धमाके ने यात्रियों में दहशत का माहौल बना दिया। बताते चलें कि सिक्किम से दिल्ली जा रही 15483 महानंदा एक्सप्रेस में प्रयागराज के मनौरी स्टेशन के पास फायर सेफ्टी सिलेंडर अचानक फट गया। धमाका इतना तेज था कि ट्रेन में बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

महानंदा एक्सप्रेस के स4 कोच में टॉयलेट के पास फायर सेफ्टी सिलेंडर लगा था। सिलेंडर फटने से फायर सेफ्टी सिलेंडर के चीथड़े उड़ गए और सेफ्टी सिलेंडर फटने से ट्रेन की छत पर जा टकराया। छत पर टकराने से ट्रेन की छत में आधा फुट तक छेद हो गया। ट्रेन में ड्यूटी कर रहे टीटी दुर्गेश सिंह चौहान को जब घटना की जानकारी मिली, तो बिना देरी किए रेलवे अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचते ही रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जगह साफ कर नया फायर सेफ्टी सिलेंडर लगाया। ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों ने बताया कि हम फायर सेफ्टी सिलेंडर के पास बनी सीटों पर बैठे थे। अचानक सिलेंडर फटने के धमाके से बैठे यात्रियों के बीच दहशत का माहौल बन गया। यात्रियों और टीटी ने बताया कि फायर सेफ्टी सिलेंडर फटने से किसी को कोई हानि नहीं हुई है। सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे अधिकारियों ने नया फायर सेफ्टी सिलेंडर भी लगा दिया है।

ढीठता पर उतारू ग्राम प्रधान और सचिव

» शौचालय पर ताला, भ्रष्टाचार पर पर्दा- सुरार पंचायत में नहीं थमा फंड घोटाले का खेल

» स्वराज इंडिया की खबर के बाद भी नहीं खुला सामुदायिक शौचालय, जिम्मेदारों पर कारवाई की जगह बढ़ा ढीठपन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वराज इंडिया द्वारा प्रकाशित पहले की रिपोर्ट में सुरार ग्राम पंचायत में बने सामुदायिक शौचालय की बदहाली और भ्रष्टाचार की पोल खोलकर रख दी गई थी। चार दिन बीत जाने के बावजूद भी शौचालय की स्थिति जस की तस है। टीम जब पुनः मौके पर पहुंची, तो वहां लगा ताला अब भी जस का तस लटका हुआ था। न कोई सफाईकर्मी नियुक्त हुआ, न ही रखरखाव की कोई व्यवस्था की गई। इससे यह साफ जाहिर होता है कि पंचायत प्रशासन में बैठे जिम्मेदार लोगों पर न तो मीडिया की खबरों का कोई असर पड़ता है और न ही उन्हें आम जनता की तकलीफों की कोई परवाह है। ग्राम प्रधान पंकज यादव और सचिव महेंद्र गौतम की उदासीनता से यह प्रतीत होता है कि उन्हें शासन या प्रशासन से भी कोई डर नहीं है। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और अब वे अपने हक के लिए सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

बीडीओ की चुप्पी से बढ़ा ग्रामीणों में आक्रोश

कल्याणपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाली इस ग्राम पंचायत में इस गंभीर भ्रष्टाचार की जानकारी खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को भी दी जा चुकी है। लेकिन अफसोसजनक बात यह है कि बीडीओ की ओर से अब तक कोई भी जांच-पड़ताल या कार्रवाई नहीं की गई है। इससे ग्रामीणों में यह विश्वास और गहराता जा रहा है कि ग्राम प्रधान और सचिव को प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है। पंचायत की बैठकों में भी इस मुद्दे को लेकर कोई ठोस चर्चा नहीं हो रही है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे शब्द केवल कागजों में ही सीमित रह गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर ऐसे ही अधिकारियों की निष्क्रियता बनी रही, तो गांव की दूसरी योजनाओं में भी इसी तरह घपलेबाजी का रास्ता साफ हो जाएगा। कई सामाजिक संगठनों और महिला समूहों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बीडीओ कार्यालय और जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करेंगे।

महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा पर संकट, फिर भी लापरवाही बरकरार

शौचालय की अनुपलब्धता केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर गांव की महिलाओं की गरिमा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर चोट है। महिलाएं अब भी खुले में शौच जाने को मजबूर हैं, जो न सिर्फ असुरक्षित है बल्कि उनके आत्मसम्मान के खिलाफ भी है। कई बार ग्रामीण महिलाओं को अंधेरा होने तक इंतजार करना पड़ता है ताकि वे झाड़ियों या खेतों में जा सकें, जिससे छेड़खानी और हमले जैसी घटनाओं का डर भी बढ़ जाता है। बुजुर्ग महिलाएं और किशोरियाँ इससे सबसे अधिक प्रभावित हैं। यही नहीं, बच्चों और बीमार लोगों के लिए भी यह स्थिति बेहद परेशानी भरी है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद जब ऐसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध न हो, तो यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर फंड गया कहां? अब महिलाएं स्वाभिमान और सुरक्षा के लिए एकजुट होकर आंदोलन के मूड में हैं और इस बार उनका कहना है कि केवल आश्वासन नहीं, एक्शन चाहिए।

ताले में बंद जनसुविधा, जेब में गया फंड

» ग्राम पंचायत सुरार में सामुदायिक शौचालय बना भ्रष्टाचार की नजीर

» गांव वालों ने बताया कि ग्राम प्रधान और सचिव की मनमानी से कई योजनाओं में भारी घालमेल

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी फंड से निर्मित सामुदायिक शौचालय महीनों से बंद पड़ा है। टिकरा से भौती जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित इस शौचालय में हमेशा ताला लटका रहता है, जिससे गुजरने वाले राहगीरों और खासकर महिलाओं को गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की ओर से करोड़ों रुपये स्वच्छता मिशन के तहत खर्च किए जा रहे हैं

लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। शौचालय की साफ-सफाई और संचालन के लिए किसी जिम्मेदार को नहीं तैनात किया गया है। लोगों ने कई बार पंचायत और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन नतीजा सिर्फ आश्वासन ही रहा। शौचालय की अनुपलब्धता से महिलाएं मजबूरी में खुले में जाने को विवश हैं, जो उनकी सुरक्षा और सम्मान दोनों के लिए खतरा है।

सामुदायिक शौचालय में अरसे से बंद ताला लेकिन कागजों में हो रहा संचालन

सुरार ग्राम पंचायत में दिखावे की स्वच्छता

ग्राम प्रधान पंकज यादव और ग्राम सचिव महेंद्र गौतम इस स्थिति से पूरी तरह अवगत हैं, फिर भी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि शौचालय के नाम पर सिर्फ कागजों में काम हुआ है, जबकि वास्तविकता में यह सुविधा कभी भी लोगों के लिए उपलब्ध नहीं रही। कई बार सफाईकर्मी की नियुक्ति और रखरखाव के लिए बजट आने की बात कही गई, लेकिन जमीन पर उसका कोई अता-पता नहीं है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब शौचालय आम जनता के लिए नहीं खुल रहा, तो फिर फंड कहां गया? अब लोग पंचायत पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं और चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही शौचालय शुरू नहीं किया गया, तो वे ब्लॉक और जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। महिला समूहों ने भी इस मुद्दे को लेकर आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है।

तिरंगा यात्रा में गूंजा देशभक्ति का जयघोष

» ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर लहराया जोश

» रसूलाबाद में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, वीर जवानों के शौर्य को किया नमन, नारी शक्ति और युवाओं ने दिखाया उत्साह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। देशभर में निकाली जा रही तिरंगा यात्राएं भारत के वीर जवानों के शौर्य, संकल्प और राष्ट्रीय एकता को समर्पित हैं। इसी कड़ी में रसूलाबाद कस्बे में भी एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष देवशरण कमल ने कहा कि भारत की सेना ने अपने अदम्य साहस से पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। आज हर देशवासी अपने सैनिकों के पराक्रम और सेवा भावना से गौरवान्वित है।

भारतीय जनता पार्टी की कानपुर देहात जिलाध्यक्ष रेणुका सचान के निर्देशानुसार आरपीएस इंटर कॉलेज, रसूलाबाद से तिरंगा यात्रा को नगर संयोजक जितेंद्र त्रिपाठी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी, नगर पंचायत के कर्मचारी और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद और वंदे मातरम के नारों से पूरा कस्बा गूंज उठा।तिरंगा यात्रा कॉलेज से शुरू होकर झींझक रोड तिराहा होते हुए मुख्य चौराहे तक पहुंची और फिर वहां से वापस होकर पुनः कॉलेज में समापन हुआ। इस यात्रा ने पूरे क्षेत्र में देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रबल कर दिया।

इस अवसर पर आरपीएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डीपी शुक्ला ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने इस अभियान में अद्वितीय पराक्रम का प्रदर्शन किया है। इस ऑपरेशन में नारी शक्ति की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे देश सेवा का जज्बा हमेशा बनाए रखें।

लापरवाही उजागर, हीटवेव किट के बिना दौड़ रहीं एंबुलेंस

डिप्टी सीएमओ के औचक निरीक्षण में तीन एंबुलेंस में नहीं मिली लू से बचाव की किट, अधिकारियों को मिली कड़ी चेतावनी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर क्षेत्र में रविवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने सिकंदरा सीएचसी में 102 एंबुलेंस सेवाओं की स्थिति का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दो एंबुलेंस में तैनात एमटी शिवप्रताप और अनिल कुमार से मरीजों को लाने-ले जाने संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। उन्होंने मरीजों के मोबाइल नंबरों पर कॉल कर उपचार और दी जा रही इमरजेंसी सेवाओं की जानकारी ली। प्राथमिक उपचार सुविधाओं की समीक्षा के दौरान पाया गया कि दोनों एंबुलेंस में हीटवेव (लू) से बचाव के लिए जरूरी किट अधूरी थी। इस लापरवाही पर डॉ. सचान ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सख्त चेतावनी दी। साथ ही एंबुलेंस में ओआरएस की अनुपलब्धता पर कंटेनर रखने के निर्देश दिए।इसके बाद राजपुर पीएचसी में 102 एंबुलेंस की जांच की गई, जहां फिर से लू से बचाव की किट नदारद मिली। एलटी अंजू से इमरजेंसी सेवाओं से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की गई। यह निरीक्षण स्वास्थ्य विभाग में जारी अनियमितताओं की पोल खोलता नजर आया।

अमृत भारत योजना के तहत गोविन्दपुरी स्टेशन का होगा पुनर्विकास

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन को विकसित किया गया है, जिससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। लाउंज- एक्जीक्यूटिव लाउंज स्टेशन पर एक्जीक्यूटिव लाउंज का निर्माण किया गया है, जो कई सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। कैफेटेरिया यात्रियों को खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रिफ्रेशमेंट रूम की सुविधा उपलब्ध है। स्टेशन पर फसाद लाइटिंग फसाद लाइटिंग से स्टेशन आकर्षक और आधुनिक डिज़ाइन के साथ स्टेशन में आधुनिकता एवं सुंदरता का नमूना है।

सर्कुलेटिंग एरिया यात्रियों के लिए बेहद सुविधाजनक सर्कुलेटिंग एरिया को डेवलप किया गया है, जिससे स्टेशन पर यात्रियों का आवागमन आसानी से हो सकेगा। टिकट काउंटर- स्टेशन पर क्कस्/अस टिकट काउंटर सेपरेट कर दिया गया है, जिससे सुविधाजनक टिकट काउंटर से यात्रियों को टिकट खरीदने में आसानी होगी। यात्री प्रतीक्षालय- स्टेशन प्रतीक्षालय यात्रियों के लिए आरामदायक बनाया गया है, यात्री यहाँ आराम से बैठकर अपनी ट्रेन का इंतजार कर सकते हैं। डॉरमेट्री/रिटायरिंग रूम- यात्रियों को ठहरने के लिए डॉरमेट्री/रिटायरिंग का निर्माण किया गया, यह यात्रियों को एक अच्छा अनुभव प्रदान करेगा। फुट ओवर ब्रिज- सुरक्षित और सुविधाजनक यात्री आवागमन के लिए 12 मीटर चौड़ा स्न्ह्क्कबनाया गया है, जिससे यात्री एक प्लेटफ़ॉर्म से दूसरे प्लेटफ़ॉर्म पर आसानी से आ-जा सकते हैं। पार्किंग- स्टेशन पर यात्रियों को वाहन पार्क करने हेतु पार्किंग का निर्माण किया गया। स्टेशन कॉरिडोर- यात्रियों के आवागमन को स्टेशन पर सुविधाजनक बनाने के लिए स्टेशन कॉरिडोर को विस्तारित किया गया है। दिव्यांगजन सुविधाएं- दिव्यांगजनों के लिए शौचालय और रैंप बनाए गए हैं। चित्रकारी- स्टेशन की बिल्डिंग पर आकर्षक चित्रकारी की गई है। GRP बैरिक स्टेशन पर सेपरेट बैरिक का निर्माण किया गया है। ग्रीन जोन स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में प्लांटेशन किया गया है, जिससे स्टेशन काफी आकर्षक एवं सुंदर दिखाई देता है। गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन यात्रियों को आधुनिकता और विकास का नया अनुभव प्रदान करेगा। यह स्टेशन न केवल यात्रियों की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि शहर के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

चार-चार आदेशों के बाद भी संतुनगर मोहल्ले का नहीं बना रास्ता

» अफसरशाही ने विकास को लगा रखा है ब्रेक

उपमुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री तक की नहीं सुनी गई, पुखरायां के पास एक मोहल्ले में टूटी सड़क और जलभराव से परेशान जनता बेहाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील के सन्तु भवन मोहल्ले में टूटा हुआ रास्ता महीनों से ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। जनवरी में शुरू हुई यह समस्या अब मई तक भी जस की तस बनी है। मोहल्ले के संतोष गुप्ता, रोशन कुमार, अनूप कुमार, और बबलू कुमार ने पहले जिलाधिकारी से और फिर लखनऊ जाकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से कई बार मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री के निजी सचिव सुरेंद्र तिवारी ने चार बार लिखित आदेश जिलाधिकारी को भेजे, लेकिन इसके बावजूद बस्ती में खड़ंजा नहीं पड़ सका।

शनिवार को तहसील दिवस में जब मामला अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) दिग्विजय सिंह के सामने आया तो उन्होंने प्रभारी बीडीओ बालवीर प्रजापति को फटकार लगाते हुए तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए।

विकास के दावे खोखले, जनता की नहीं सुनता ब्लॉक मुख्यालय

मुख्यमंत्री तक गुहार के बाद भी नहीं हो रहा समाधान,

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी?

खंड विकास अधिकारी (मनरेगा) गजेंद्र तिवारी ने कहा है कि जल्द ही सर्वे कराकर रोड का निर्माण कराया जाएगा और ग्रामीणों की समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

बरसात से पहले फिर खतरा मंडराया ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष बारिश के चलते बस्ती के हर घर में पानी भर गया था और दो माह तक घरों से पानी नहीं निकाला जा सका। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप पर इंजन लगाकर पानी निकाला गया, लेकिन इस वर्ष फिर वैसी ही स्थिति बनने की आशंका है। मोहल्ले के लोगों का आरोप है कि मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी एसकेएन सिंह चौहान द्वारा जिलाधिकारी और सीडीओ को पत्र भेजा गया था, लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। स्थानीय विधायक भले ही विकास की बात करें, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही है। जब मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जिलाधिकारी की बात नहीं सुनी जा रही, तो आम जनता किससे उम्मीद करे?

इस तरह बदहाल पड़ा है मोहल्ले का रास्ता

हाईवे पर मौत बनकर दौड़ रहे ओवरलोड वाहन

कानपुर देहात के परिवहन और यातायात विभाग के अफसर मौन

» ओवरलोड डंफर और बसें सीएम निर्देशों को ठेंगा दिखा कर कर रही मनमानी, राजस्व को भारी चूना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर-झांसी हाईवे पर रात के अंधेरे में ओवरलोड डंफर और शताब्दी बसें खुलेआम दौड़ रही हैं, जो न सिर्फ दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं, बल्कि शासन के राजस्व को भी भारी नुकसान पहुँचा रही हैं। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आँख मूंदे बैठे हैं।

बारा टोल प्लाजा से होकर निकलने वाली शताब्दी बसों में सवारियों की बजाय भारी ओवरलोड सामान ढोया जा रहा है, जिनमें लाखों रुपये की जीएसटी चोरी की आशंका है। मौंवर के पास एक शताब्दी बस सामान से लदी इतनी असंतुलित थी कि हादसे की आशंका हर पल बनी रही। बसों के नंबर प्लेट और पिछली कार्रवाई के रिकॉर्ड से पता चलता है कि इन पर पहले भी चालान हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की मेहरबानी से परमिट और फिटनेस फिर से रिन्यू करा दिए गए।

वहीं, डंफरों की बात करें तो कई वाहन ऐसे हैं जो बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर काल बनकर दौड़ रहे हैं। इन वाहनों में मौरंग, गिट्टी जैसे ओवरलोड सामान लादे जाते हैं। यहां तक

सरकार को हो रहा है सीधा नुकसान

इन ओवरलोड वाहनों की वजह से जहां हाईवे की हालत बिगड़ रही है, वहीं शासन को करोड़ों का राजस्व नुकसान हो रहा है। सरकारी रिपोर्ट में छोटे वाहनों से मिलने वाले चालानों का हवाला दिया जाता है, लेकिन असल लूट बड़ी गाड़ियों के जरिए हो रही है।अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या शासन-प्रशासन नींद से जागकर कोई ठोस कार्रवाई करता है, या फिर हाईवे पर यह मौत की रफ्तार ऐसे ही चलती रहेगी।

कि ट्रकों की छतों पर भी दूसरे वाहनों की बॉडी लाद दी जाती है, जिससे सड़क पर खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बारा टोल प्लाजा से एक ऐसा ही ट्राला निकला जिसे जिम्मेदार अधिकारियों ने अनदेखा कर दिया।

रात में होता है ओवरलोडिंग का खेल

सूत्रों के अनुसार भोगनीपुर चौराहा से लेकर लालपुर तक शाम होते ही ओवरलोड डंफर और ट्रक होटलों पर आकर लाइन से खड़े हो जाते हैं। इसके बाद ट्रक चालक, स्थानीय कुछ मीडिया कर्मी और तथाकथित प्रभावशाली लोगों के बीच चंदा एकत्र किया जाता है, जो आखिरकार 'साहब' तक पहुंचता है। फिर साहब अपने आवास तक ही सीमित रह जाते हैं और कार्रवाई से दूरी बना लेते हैं।परिवहन विभाग और पुलिस की चेकिंग केवल बाइक और छोटे वाहनों तक सीमित है। नियमों

हादसे का खतरा जिला प्रशासन बना अनजान

का पालन कराने वाली प्रवर्तन टीमें ओवरलोड डंफरों को अनदेखा कर रही हैं। कई डंफरों पर नंबर प्लेट मिट्टी या ग्रीस से धुंधली कर दी जाती है, तो कुछ में नंबर प्लेट ही नहीं होती। नियमों के अनुसार बिना नंबर वाहन पकड़ में आने पर भारी जुर्माना है, लेकिन इन नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं।

बीमारी ठीक कराने के बहाने धर्म परिवर्तन का खेल बेनकाब

धर्म परिवर्तन की सूचना पर पहुंचे बजरंग दल एव विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

स्वराज इंडिया संवाददाता

मसौली(बाराबंकी)। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बांकी पुर मजरे दुर्जनपुर गांव में बीमारी को ठीक करने के बहाने कराये जा रहे धर्म परिवर्तन की सूचना पर पहुंचे बजरंग दल एव विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सूचना दी मौक़े पर पहुंची उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह क्षेत्राधिकारी सदर शौरभ श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को बंद करवाते हुए करीब एक दर्जन लोगो को पूछताछ के थाने लेकर आयी है धर्म परिवर्तन एव पुलिस की कार्यवाही से गांव मे हड़कंप मचा हुआ है। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बांकीपुर मजरे दुर्जनपुर की दलित बस्ती में राकेश उर्फ लाला मंगता के मकान की छत पर जिले के कई ब्लॉकों से करीब एक सैकड़ा महिला पुरुष एकत्रित होकर प्रार्थना कर रहे थे इसी दौरान बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को इसकी भनक लग गई। बजरंग दल कार्यकर्ताओं की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक सफदरगंज अरुण प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गये पुलिस को देख लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने घर में घुसकर घंटों जांच पड़ताल करने के बाद लगभग एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा रामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम छंदवल निवासी राधेश्याम गौतम इस कार्यक्रम का मुख्य कर्ताधर्ता था जो राकेश उर्फ़ लाला के साथ मौके से भाग गया। छत पर चल रही प्रार्थना सभा मे सबसे ज्यादा गौतम बिरादरी के लोग मौजूद थे। पुलिस ने मौक़े से एक वेगनआर गाड़ी तथा कई मोटरसाइकिल खड़ी मिली । वैगनआर गाड़ी में क्रिश्चियन लॉकेट लटकता हुआ मिला।

बीमारी को ठीक करने के लिए काफी समय से हो रही इस घर मे प्रार्थना सभा

ग्राम बांकी प्रार्थना सभा में पत्नी और बहू के साथ शामिल होने आये थाना मोहम्मदपुर खाला के ग्राम राममंडई निवासी श्रवण कुमार वर्मा, ग्राम ज्योली निवासी अवधराम गौतम व ग्राम आल्हेमऊ विक्रम बहादुर गौतम ने बताया कि हम लोगो को बीमारी करने के बहाने प्रार्थना सभा मे बुलाया गया था। जिसमे ढोलक बजाकर हिंदी में अपने प्रभु का ज्ञान दे रहे थे।वही ग्रामीणों के अनुसार इस घर में प्रत्येक रविवार को काफी समय से लोग आ रहे हैं और इसी प्रकार ढोलक बजा कर प्रार्थना करते थे। जिसमे भारी संख्या मे लोग आते है।

ताक मे थे बजरंग दल के कार्यकर्ता

बजरंग दल के जिला संयोजक विनय सिंह राजपूत ने बताया कि हम लोगों को प्रत्येक रविवार को होने वाले इस कार्यक्रम को जब जानकारी मिली तो हम लोग पहले से सक्रिय थे जैसे ही यहां कार्यक्रम शुरू हुआ तो मौके पर पहुंच कर कार्यक्रम की सूचना सफदरगंज पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुचे विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष सिरौलीगौसपुर अजय पाल पटेल, व आयुष नाग आदि कार्यकर्ताओं भी मौक़े पर पहुंच गये।

मौके पर पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने वेगन आर गाड़ी को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल करते हुए एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी तथा मौके पर मौजूद मोटरसाइकिलों के नंबरों को नोट किया । पुलिस के पहुंचने पर तमाम महिला पुरुष चुपके से निकलकर भाग खड़े हुए।कार्यक्रम में लगभग एक सैकड़ा लोग मौजूद थे।

मकान के छत पर हो रही थी प्रार्थना सभा

धर्म परिवर्तन की खबर फैलते ही मौक़े पर पहुंची उपजिलाधिकारी सिरौलीगौसपुर प्रीति सिंह सीओ सदर शौरभ श्रीवास्तव ने मौका मुआयना किया उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने बताया कि मौका स्थल का जायजा लेकर पूछताछ की जा रही है धर्म परिवर्तन की आशंकाओं से इंकार नही किया जा सकता है वही प्रभारी निरीक्षक सफदरगंज अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि भीड़ एकत्रित कर प्रार्थना की जा रही थी। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रुदौली एजूकेशनल इंस्टीट्यूट
सरायपीर, भेलसर, रुदौली, अयोध्या
में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है।
परास्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय एम0एस0सी0 पाठ्यक्रम हेतु गणित, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान प्रत्येक विषय में 02–02 पद प्रवक्ताओं की।
योग्यता एवं वेतन आय यू0जी0सी0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवसों के अंदर महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।
भवदीय – प्रबन्धक
मो0नं0– 9936535300

रुदौली लॉ कॉलेज
सरायपीर, भेलसर, रुदौली, अयोध्या
में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है।
प्राचार्य – 01 पद
विधि प्रवक्ता – 09 पद
योग्यता एवं वेतन आय यू0जी0सी0, बी0सी0आई0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवसों के अंदर महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।
भवदीय – प्रबन्धक
मो0नं0–9936535300

शिशु की मौत मामले में चिल्ड्रेन हॉस्पिटल सील

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। स्वराज इंडिया की खबर के बाद आखिरकार स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। साकेतपुरी स्थित अयोध्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल एंड हार्ट केयर सेंटर में नवजात की मौत के मामले में रविवार को बड़ी कार्रवाई हुई। सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बनियान के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल को सील कर दिया है।

स्वराज इंडिया की खबर का असर

अस्पताल सील करते स्वास्थ्य अधिकारी

स्वराज इंडिया देश-प्रदेश कानपुर, सोमवार 12 मई, 2025 12

डॉक्टर की लापरवाही से मासूम की मौत, अब किससे पूछें सवाल?

» परिजनों का आरोप है कि डेढ़ लाख रुपये इलाज शुरू करने से पहले जमा करने को कहा गया था, पैसे देर से जमा करने पर नहीं किया इलाज

» घटना के सम्बंध में जानकारी के लिए फोन करने पर अस्पताल के लोगो ने काट दिया फोन

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। बच्चे की किलकारियां गूंजने से पहले ही मौत की चुप्पी उसे निगल गई। यह दर्दनाक घटना अयोध्या के एक प्राइवेट चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की लापरवाही का खौफनाक नतीजा है, जिसने एक नवजात की जिंदगी को सिर्फ पैसों और लापरवाही के नाम पर कुचल दिया।

9 मई की सुबह, बेनीगंज-साकेत पुरी रोड स्थित अयोध्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में एक नवजात को वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत के चलते भर्ती कराया गया। बच्चे का जन्म गुरु कृपा हॉस्पिटल में हुआ था, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण परिवार ने उसे बेहतर इलाज के लिए चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टर अंकुश शुक्ला की देखरेख में इलाज शुरू होना था, लेकिन उससे पहले ही परिवार से डेढ़ लाख रुपये जमा कराने की मांग की गई।

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की प्राथमिकता बच्चे की जान नहीं, बल्कि पैसे थे। इलाज की प्रक्रिया शुरू होने में देर होती रही, और इसी बीच बच्चे की हालत और बिगड़ गई। परिवार का दावा है कि डॉक्टर ने 10 मई की सुबह कहा कि बच्चे को लखनऊ ले जाया जाए, क्योंकि अब उनके हाथ में कुछ नहीं है जबकि सच्चाई यह थी कि बच्चा करीब ढाई घंटे पहले ही दम तोड़ चुका था।

ट्रस्ट के चेयरमैन का आरोप

जनवादी ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह ने डॉक्टर अंकुश शुक्ला पर हत्या जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, यह बच्चा नहीं मरा, बल्कि मारा गया है पैसे की हवस में, डॉक्टर की बेरुखी में। अगर समय रहते इलाज शुरू होता, तो आज एक घर उजड़ने से बच जाता।

परिजन और ट्रस्ट के सदस्य अब प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि डॉक्टर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए और अस्पताल को तत्काल सीज किया जाए। उनका कहना है कि जब तक सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक मासूमों की जान यूं ही जाती रहेगी।

मीडिया से बात करने से बचते रहे जिम्मेदार

फिलहाल इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन जनदबाव और मीडिया में मामले की गूंज को देखते हुए जल्द ही जांच बैठाई जा सकती है। जब इस सम्बंध में चिल्ड्रन हॉस्पिटल के नम्बर पर फोनकरके जानकारी चाही गयी तो फोन उठाने वाली महिला कर्मचारी ने डॉक्टर अंकुश शुक्ला से बात कराने के बजाय फोन डिस्कनेक्ट कर दिया। कई बार फोन करने पर दुबारा नही उठाया।

स्वराज इंडिया का सवाल?

-जब नवजात के जीवन-मरण की घड़ी थी, तब डॉक्टर ने क्यों नहीं दिखाया मानवीय संवेदनाएं?

-क्या डेढ़ लाख की रकम जमा होते ही डॉक्टर का फर्ज शुरू होता है?

ऐसे अस्पतालों को चलाने की इजाजत देने वाले अफसर कब तक चुप रहेंगे?

एक परिवार ने अपना सब कुछ खो दिया, एक मां की गोद सूनी हो गई, और एक पिता का भविष्य अधूरा रह गया। इस घटना ने फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं क्या प्राइवेट अस्पताल अब सिर्फ कमाई का जरिया बन गए हैं? और क्या प्रशासन आंखें खोलकर देखेगा कि अब मासूमों की जानों से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए?

12 मई को सहादतगंज निवासी गौरव मिश्रा के नवजात की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई थी।

परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज के नाम पर दो लाख रुपये लेने और मृत बच्चे को लखनऊ रेफर करने का आरोप लगाया था।

मामले को स्वराज इंडिया ने प्रमुखता से उठाया था, जिसके बाद सीएमओ ने खुद मामले में जांच के आदेश दिए थे और अस्पताल प्रबंधक डॉ. अंकुश शुक्ल को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। रविवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. राम मणि शुक्ल और जिला क्षयरोग अधिकारी के नेतृत्व में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर सीलिंग की कार्रवाई की। हालांकि, मरीजों की सुविधा के मद्देनज़र कुछ वार्डों और

» स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप

आईसीयू को अस्थाई रूप से चालू रखा गया है।अब स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से निजी अस्पतालों में मची हड़कंप की स्थिति है। यह साफ है कि स्वराज इंडिया की पत्रकारिता का असर ज़मीनी स्तर पर दिखने लगा है।

आरोपी डॉक्टर

कलम की धार तलवार से तीखी हो सकती है, वार संयम से होना चाहिए

कानपुर। कलम की धार तलवार से तेज होती है और जब वो सच के लिए उठती है तो एक पूरी व्यवस्था हिल जाती है। कलम की धार ही पत्रकार की वास्तविक पहचान होती है। पत्रकारिता में साहस, धैर्य एवं संयम जैसे गुण ही संवेदनशील व जिम्मेदार बनाते हैं। भाषा, विचार, विषय एवं संवाद ही पत्रकारिता की परिभाषा, दशा और दिशा तय करते हैं। पत्रकारों को जनता के सरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता से उठाना चाहिए, नेताओं के झूठे गुणगान नहीं करते रहना चाहिए। कलम की धार तलवार से तीखी होती है क्या केवल कह देना ही पर्याप्त है ? क्या जो मन में आए उसे सार्वजनिक कर देना ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है या फिर अभिव्यक्ति का भी एक उत्तरदायित्व होता है, खासकर तब जब बात पत्रकारिता की हो। एक पत्रकार को सिर्फ खबर सुनानी नहीं होती, उसे समाज की नब्ज पर हाथ भी रखना होता है लेकिन जब समाचार चैनल रात-दिन चीखते हैं, जब हर रिपोर्ट में पक्ष लेने की जल्दबाजी होती है तब वह स्वतंत्रता नहीं, बाजारवाद की गुलामी बन जाती है। जब तथ्यों की जगह राय परोस दी जाती है तब पत्रकारिता अपनी आत्मा खो बैठती है। सोच-समझकर लिखना और हर मंच का उपयोग समाज को जोड़ने के लिए करना, तोड़ने के लिए नहीं। पत्रकार की कलम अगर आग उगल सकती है तो वही कलम रोशनी भी फैला सकती है। आवश्यक है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को एक औजार नहीं उत्तरदायित्व का दर्पण समझा जाए जो लिखे वो सोचकर लिखे क्योंकि हर शब्द भविष्य गढ़ता है। पत्रकार कलम से आग भी जला सकता है और दीप भी। सवाल सिर्फ इरादे का है सच को स्वीकारने का है। पत्रकार को चौथा स्तंभ ऐसे ही नहीं कहा जाता लोकतंत्र में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह स्तंभ सरकार और अन्य संस्थानों की निगरानी करने और उन्हें जवाबदेह ठहराने की शक्ति प्रदान करता है। लोकतंत्र के संचालन के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि यह स्तंभ सदैव स्वतंत्र और निष्पक्ष रहे।

बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों का किया जाए वेरिफिकेशन

गृह मंत्रालय ने दी डेडलाइन, 30 दिन में करना होगा दस्तावेजों का सत्यापन

» नई दिल्ली, एजेंसी।

माना जा रहा है कि 30 दिन की अवधि के बाद अगर उनके दस्तावेजों का सत्यापन नहीं किया जाता है तो उन्हें निवार्सित किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध अप्रवासियों का वेरिफिकेशन करने के लिए एक महीने की डेडलाइन दी है। एमएचए ने बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध अप्रवासी होने का संदेह रखने वाले उन लोगों के प्रमाण-पत्रों को सत्यापित करने के लिए 30 दिन की समय-सीमा तय की है जो भारतीय नागरिक होने का दावा करते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि 30 दिन की अवधि के बाद अगर उनके दस्तावेजों का सत्यापन नहीं किया जाता है तो उन्हें निर्वासित किया जाएगा।

जारी निर्देश के अनुसार, गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अवैध अप्रवासियों का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन्हें निवार्सित करने के लिए अपनी वैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल करने को कहा है। उन्हें निर्वासन तक व्यक्तियों को रखने के लिए पर्याप्त जिला-फलरीग डिटेशन सेंटर प्रशापित करने के लिए श्री करा गया है।

ये निर्देश बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध रूप से आए अवैध अप्रवासियों के खिलाफ केंद्र सरकार की नई मुहिम का हिस्सा हैं। ये निर्देश सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम राइफल्स के महानिदेशकों (डीजी) को भी जारी किए गए हैं। ये बल होनों देशों के साथ भारत की सीमाओं की रक्षा करते हैं।

राजस्थान से 148 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को वापस भेजा गया : फरवरी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अवैध घुसपैठियों का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। उनकी पहचान की जानी चाहिए और उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए। तब से, राजस्थान और गुजरात राज्यों में बांग्लादेश से अवैध अप्रवासी होने के संदेह में लोगों की पहचान करने और उन्हें हिरासत में लेने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। जैसा कि गुजरात ने सूरत और अहमदाबाद में तलाशी अभियान चलाए गए और ऐसे 6500 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजस्थान ने 148 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों के अपने पहले जत्थे को इस हफ्ते एक स्पेशल फ्लाइट से पश्चिम बंगाल भेजा गया जिसके बाद उन्हें उनके देश वापस भेज दिया जाएगा।

गृह मंत्रालय ने जारी की नई गाइडलाइन : मंत्रालय के नए निदेशों के बारे में इंडियन एक्सप्रेस को बताते हुए एक अधिकारी ने कहा, पहले अवैध अप्रवासियों को वापस भेजने की कोई समय सीमा नहीं थी। कभी-कभी, दूसरे राज्य से वेरिफिकेशन रिपोर्ट प्राप्त करने में महीनों लग जाते थे (जिस राज्य से वे संबंधित होने का दावा करते थे) लेकिन अब, केंद्र ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और जिला कलेक्टरों/जिला मजिस्ट्रेटों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि 30 दिनों की अवधि के भीतर निर्वासित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को एक उचित केडेंशियल रिपोर्ट भेजी जाए। संदिग्ध व्यक्ति को 30 दिनों के लिए होल्डिंग सेंटर में रखा जाना चाहिए और अगर उस अवधि के भीतर कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं होती है तो विदेशी पंजीकरण कार्यालयों को उन्हें निर्वासिल करना चाहिए।

अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लेने के लिए बनाए जाएं होल्डिंग सेंटर

एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'अवैध अप्रवासियों के निर्वासन के मामले में, हम सत्यापन के लिए अनुरोध संबंधित राज्य को भेज देते थे और महीनों तक इंतजार करते थे। केंद्र ने अब सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन से कहा है कि वे प्रत्येक जिले में पुलिस के अधीन एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करें जो अवैध अप्रवासियो का पता लगाए, उन्हें पहचाने और निर्वासित करें। इसके अलावा, गृह मंत्रालय के निदेशों के अनुसार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्वासन के लिए सीमा बलों और तटरक्षक बल को सौंपे गए अवैध बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं का रिकॉर्ड रखना चाहिए और हर महीने की 15 तारीख को इस संबंध में केंद्र के साथ अनिवार्य रूप से एक रिपोर्ट साझा करनी चाहिए।

बच्ची को जिंदा दफनाने की कोशिश

शाहजहांपुर में दो महिलाओं ने नवजात को गड्ढे में डाला

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से दिल झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। दो महिलाओं ने नवजात बच्ची को गड्ढे में डालकर मिट्टी से दबा दिया। कुछ दूरी पर काम कर रहे मजदूरों ने महिलाओं को ऐसा करता देख लिया। उन लोगों ने मौके पर जाकर बच्ची को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। शाहजहांपुर में नगर निगम के निमार्णाधीन कायाज़्लय के पास दो महिलाओं ने जिंदा नवजात बच्ची को गड्ढे में रखा और उस पर मिट्टी डालकर चली गईं। आसपास काम कर रहे मजदूर मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने बच्ची को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि अब बच्ची की स्थिति ठीक है। जब उसे लाया गया था, तब उसे सांस लेने में तकलीफ थी।

नगर निगम के निमार्णाधीन कार्यालय के पास सोमवार दोपहर करीब 12 बजे दो महिलाएं झोले में बच्ची को लेकर पहुंचीं थीं। उन्होंने बच्ची को पास में बने एक गड्ढे में रख दिया और उसके ऊपर मिट्टी-ईंट डाल दी। बच्ची के रोने की आवाज पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। बच्ची को देखकर उन लोगों ने उसे बाहर निकाला। इसके बाद 112 नंबर पर फोन करके पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और आननफानन बच्ची को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचायज़् डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि बच्ची का ओंठ कटा हुआ है। शुरुआत में उसको सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। इलाज के बाद अब उसकी स्थिति ठीक है। वहीं, पुलिस बच्ची को जिंदा दफनाने का प्रयास करने वाली महिलाओं का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

संभल मस्जिद में जारी रहेगा सर्वे : हाईकोर्ट

इलाहाबाद हाई कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका, एकल पीठ ने सुनाया फैसला

» प्रयागराज, ब्यूरो

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सोमवार को मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के सम्भल में एक मस्जिद में सर्वेक्षण जारी रहेगा। जस्टिस रोहित रजन अग्रवाल की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया।

संभल की जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला आ गया है। हाई कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका दिया है और सिबिल रिवीजन पिटीशन खारिज कर दी है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी एडवोकेट कमीशन की जांच में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। यह आदेश जस्टिस रोहिल रंजन अग्रवाल की कोर्ट ने सुनाया।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रायल कोटज़् का आदेश महल ऋषिराज गिरि सहित आठ वादियों द्वारा दायर मुकदमे पर पारित किया गया था। उन्होंने दावा किया था कि संभल मस्जिद का निर्माण 1526 में वहां मौजूद एक हिंदू मंदिर को तोड़कर किया गया था। मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में यह मामला उठाया था कि सिविल जज ने उन्हें नोटिस जारी किए बिना जल्दबाजी में सर्वे आदेश पारित कर दिया था। मस्जिद का सर्वे उसी दिन 19 नवंबर और फिर 24 नवंबर 2024 को किया गया।

मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज

गाजियाबाद में वरिष्ठ वकील हरि शंकर जैन ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संभल के सर्वे मामले में मुस्लिम पक्ष में जो रिवीजन फाइल किया था। उसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ये कहा है कि सर्वे सही था। जो श्री सर्वेक्षण हुआ है, उसे पढ़कर रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जाएगा। अगर वे (मुस्लिम पक्ष) सुप्रीम कोर्ट जाते हैं, तो हम उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

हिंदू वादी ने क्या दावा किया? : वहीं अब हिंदू वादियों के दावों की बात करें तो उनका कहना है कि विवादित मस्जिद मूल रूप से भगवान विष्णु के आखिरी अवतार कल्कि का हरिहर मंदिर था। साल 1526 में मुगल शासक बाबर के आदेश पर मंदिर को तोड़ दिया गया और इसे बाद में मस्जिद में बदल दिया गया। बता दें कि संभल में पिछले साल 24 नवंबर से तनावपूर्ण स्थिति है। कोर्ट के सर्वे के आदेश के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच में झड़प हो गई थी। इसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई पुलिसकर्मी घायल भी हो गए थे। हिंसा के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और निर्देश दिया था कि सर्वेक्षण आदेश के खिलाफ मस्जिद समिति द्वारा दायर याचिका इलाहाबाद हाई कोर्ट में लिस्ट होने तक मामले की सुनवाई ना की जाए।